पार्वती तिर्की को युवा व सुशील शुक्ल को बाल साहित्य पुरस्कार

23 रचनाकारों को युवा और 24 को मिलेगा बाल साहित्य पुरस्कार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी ने 2025 के लिए युवा साहित्य व बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। 23 भाषाओं के युवा रचनाकारों व 24 भाषाओं के बाल साहित्यकारों का पुरस्कार के लिए चयन हुआ है। डोगरी भाषा का युवा पुरस्कार बाद में घोषित होगा। हिंदी का युवा साहित्य पुरस्कार झारखंड की पार्वती तिर्की को कविता संग्रह फिर उगना व बाल साहित्य पुरस्कार सुशील शुक्ल को लघुकथा संग्रह एक बटे बारह के लिए दिया जाएगा। सभी विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप प्रशस्तिपत्र और 50,000 की नकद राशि दी जाएगी।

साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में हुई कार्यकारी मंडल की बैठक में पुरस्कार विजेताओं के नाम पर मुहर लगी। चयनित रचनाकारों को दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में सम्मानित किया जाएगा, जिसकी तिथि जल्द घोषित की जाएगी।

पार्वती तिर्की का जन्म 16 जनवरी, 1994 को झारखंड के गुमला जिले में हुआ। उनका पहला कविता-संग्रह 'फिर उगना' 2023 में राधाकृष्ण प्रकाशन से प्रकाशित हुआ। सुशील शुक्ल का जन्म 25 मार्च 1974 में मप्र के होशंगाबाद में हुआ। वह बाल साहित्य के क्षेत्र में लगभग ढाई दशकों से काम कर रहे हैं। 'प्लूटो' और 'साइकिल' बाल पत्रिकाओं के संपादक भी हैं। 'ये सारे उजाला सूरज का', 'टिफिन दोस्त', 'फेरीवाले' सहित आपकी बारह बाल पुस्तकों का प्रकाशन 'एकलव्य प्रकाशन' ने किया। 2024 के हरिकृष्ण देवसरे बालसाहित्य पुरस्कार से सम्मानित हैं।

पार्वती तिर्की

सुशील शुक्ल

- साहित्य अकादमी के कार्यकारी मंडल ने लगाई वितेजाओं के नाम पर मुहर
- चयनित रचनाकारों को दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में किया जाएगा सम्मानित

विभिन्न भाषाओं के युवा साहित्य पुरस्कार विजेता	
अंग्रेजी	अद्वैत कोट्टरी (सिद्धार्थ : द ब्वाय हू बिकम द बुद्ध, उपन्यास)
बांग्ला	सुदेशना मोइत्रा (एकरोखा चिरुनी तोलाशी, कविता)
कश्मीरी	साइका सहर (हर्फस हर्फस जाग, आलोचना)
मैथिली	नेहा झा मणि (बनारस आ हम, कविता)
उड़िया	सुब्रत कुमार सेनापति (कदम्बबना, कहानी)
पंजाबी	मनदीप औलख (गर्ल्स हास्टल, कविता)
राजस्थानी	पूनमचंद गोदारा (अंतस रै आंगणै, कविता)
संस्कृत	धीरज कुमार पांडेय (पारिभाषिकशब्दस्वारस्यम्, वेदांत आलोचना)

विभिन्न भाषाओं के बाल साहित्य पुरस्कार विजेता	
अंग्रेजी	नितिन कुशलप्पा एमपी (साउथ इंडियन मिथ एंड फेबल्स रिटोल्ड, कहानी)
बांग्ला	त्रिदिब कुमार चट्टोपाध्याय (ऐखोनो गाये कांटा देय, कहानी)
डोगरी	पी.एल. परिहार "शौक" (नन्हीं टोर, कविता)
कश्मीरी	इजहार मुबाशिर (शुर्य त् चुर्यगिश्य, कहानी)
मैथिली	मुन्नी कामत (चुक्का, कहानी)
उड़िया	राजकिशोर परही (केते फूला फूटिची, कविता)
पंजाबी	पाली खादिम (जादू पत्ता, उपन्यास)
राजस्थानी	भोगीलाल पाटीदार (पंखेरुवां नी पीड़ा, नाटक)
संस्कृत	प्रीति पुजारा (बालविश्वम्, कविता)